रणजीत टाइम्स

इंदौर

शनिवार, 23 मई, 2026

वर्ष-2 |अंक-123 |कुल पृष्ठ:8-Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

सौर ऊर्जा के उपयोग को अधिकाधिक प्रोत्साहित करें : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सोलर उपकरणों की उपलब्धता बढ़ायें

मंत्रालय में हुई ऊर्जा विभाग के कार्यों की समीक्षा

भोपाल. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि ऊर्जा उत्पादन के पारम्परिक स्त्रोतों का उपयोग करते हुए राज्य में सौर ऊर्जा के अधिक से अधिक उपयोग को बढ़ावा दिया जाए।

किसानों के लिए सोलर पम्प और गांव से लेकर शहर तक घरेलू उपभोक्ताओं के लिए सोलर उपकरणों की उपलब्धता एवं उपयोग को प्राथमिकता से सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को मंत्रालय में ऊर्जा विभाग के कार्यों की बैठक में समीक्षा कर रहे थे।

नवाचारों की प्रशंसा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ऊर्जा विभाग द्वारा किए गए प्रमुख नवाचारों की प्रशंसा की। बैठक में बताया गया कि गत ढाई वर्ष में प्रदेश में ड्रोन आधारित पेट्रोलिंग का नवाचार सफल हुआ है। इससे विद्युत लाइन ट्रिपिंग को 35 प्रतिशत कम करने और 220 केव्ही के लगभग 10 हजार टॉवरों के टॉप पेट्रोलिंग के कार्य में सफलता मिली है। इसी तरह वर्तमान में 400 और 132 केव्ही के 23 हजार टॉवरों के टॉप पेट्रोलिंग का कार्य ड्रोन द्वारा किया जा रहा है। इंसूलेटेड वर्क प्लेटफार्म का नवाचार भोपाल, जबलपुर, इंदौर और दमोह में किया गया। लाइनमैन द्वारा चालू लाइन में ही वेयर हेन्ड तकनीक और हॉट लाइन स्टिक तकनीक का कार्य इससे संभव होता है। गत वर्ष चालू लाइन में 257 परिचालन किए गए। परिचालन कर्मियों और प्रशिक्षु इंजीनियरों के प्रशिक्षण के लिए परिचालन सिम्युलेटर स्थापित किया जा रहा है।

19 हजार 895 मेगावॉट की सफलतापूर्वक पूर्ति

बैठक में जानकारी दी गई कि मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कम्पनी ने विश्वसनीय संचालन का प्रमाण देते हुए विद्युत गृहों द्वारा लगातार विद्युत उत्पादन किया गया है। गत 14 जनवरी को 19 हजार 895 मेगावॉट की सफलतापूर्वक पूर्ति इतिहास की सर्वाधिक पूर्ति है। ट्रांसमिशन कम्पनी का हानियां भी 2.60 प्रतिशत ही हैं।

इंदौर में जल संकट को लेकर विधायक के घर पर प्रदर्शन

इंदौर में जल संकट को लेकर अब जनप्रतिनिधियों लोगों का गुस्सा सड़कों पर नजर आ रहा है।

पिछले दिनों जल संकट को लेकर भाजपा विधायक महेंद्र हडिया ने कड़े तेवर दिखाए थे तो शनिवार को भाजपा पार्षद लाल बहादुर वर्मा ने भाजपा के विधायक रमेश मेंदोला के घर पर रहवासियों के साथ जाकर प्रदर्शन किया।

उनका कहना था कि वार्ड से जिस टंकी से पानी आता है, उसे दूसरे वार्डों में भेजा जा रहा है। निगम के टैंकर भी नहीं आ रहे है। लोगो को पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। प्रदर्शन को देखते हुए विधायक निवास पर पुलिस बल भी तैनात हो गया था।

सुबह पाटनीपुरा से रहवासी जुलूस की शक्ल में विधायक रमेश मेंदोला के निवास पर सैकड़ों की संख्या में आ गए। वे सड़क पर बैठ गए और पानी दो पानी दो और टंकी बनाओ के नारे लगाने लगे। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे पार्षद वर्मा ने कहा कि पानी को लेकर हालात बिगड़ गए है। नलों में दो-तीन बाल्टी पानी बड़ी मुश्किल से आ रहा है। विधायक ने इत्मीनान से रहवासियों की बातें सुनी और कहा कि वार्ड 26 को लेकर मेयर और अफसरों से चर्चा हो चुकी है। वार्ड में नई टंकी भी बनाने का काम शुरू होगा। मौजूदा जलसंकट को दूर करने के लिए टैंकरों की संख्या बढ़ाई जा रही है।

आपको बता दें कि इंदौर में जलसंकट को लेकर एक सप्ताह में दस से ज्यादा स्थानों पर प्रदर्शन हो चुके है। जलसंकट को लेकर मेयर पुष्यमित्र भार्गव का कहना है कि बीते दस वर्षों में जिस तेजी से शहर की आबादी बढ़ी उसकी तुलना में पानी के स्त्रोत बढ़ाने की दिशा में काम नहीं हुए है।

नगर निगम की गाड़ियां बेच रहीं थीं कबाड़, आयुक्त के निरीक्षण में खुलासा; 25 हजार का लगाया जुर्माना

उज्जैन. नगर निगम ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए एक कबाड़ कारोबारी पर 25 हजार रुपये का जुर्माना लगाया।

निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा द्वारा निर्माण कार्यों के निरीक्षण के दौरान यह सामने आया कि नगर निगम की कुछ गाड़ियां इंपीरियल होटल के पीछे स्थित कबाड़ कारोबारियों के यहां कबाड़ बेचने में लगी थीं।निगम आयुक्त के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग के उपायुक्त संजेश गुप्ता, सहायक आयुक्त राघवेंद्र सिंह पालिया और निगम अतिक्रमण गैंग ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए संबंधित कबाड़ी से 25 हजार रुपये का जुर्माना वसूला। साथ ही एक डंपर कबाड़ जब्त कर एमआर-5 प्लांट भेजा गया। कबाड़ी की खुद की एक गाड़ी, जो कबाड़ से भरी हुई थी, उसे भी जब्त कर माल सहित प्लांट पहुंचाया गया। नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने कहा कि नगर निगम की गाड़ियों का उपयोग केवल कचरा संग्रहण के लिए किया जाना चाहिए, न कि कबाड़ बेचने के लिए।

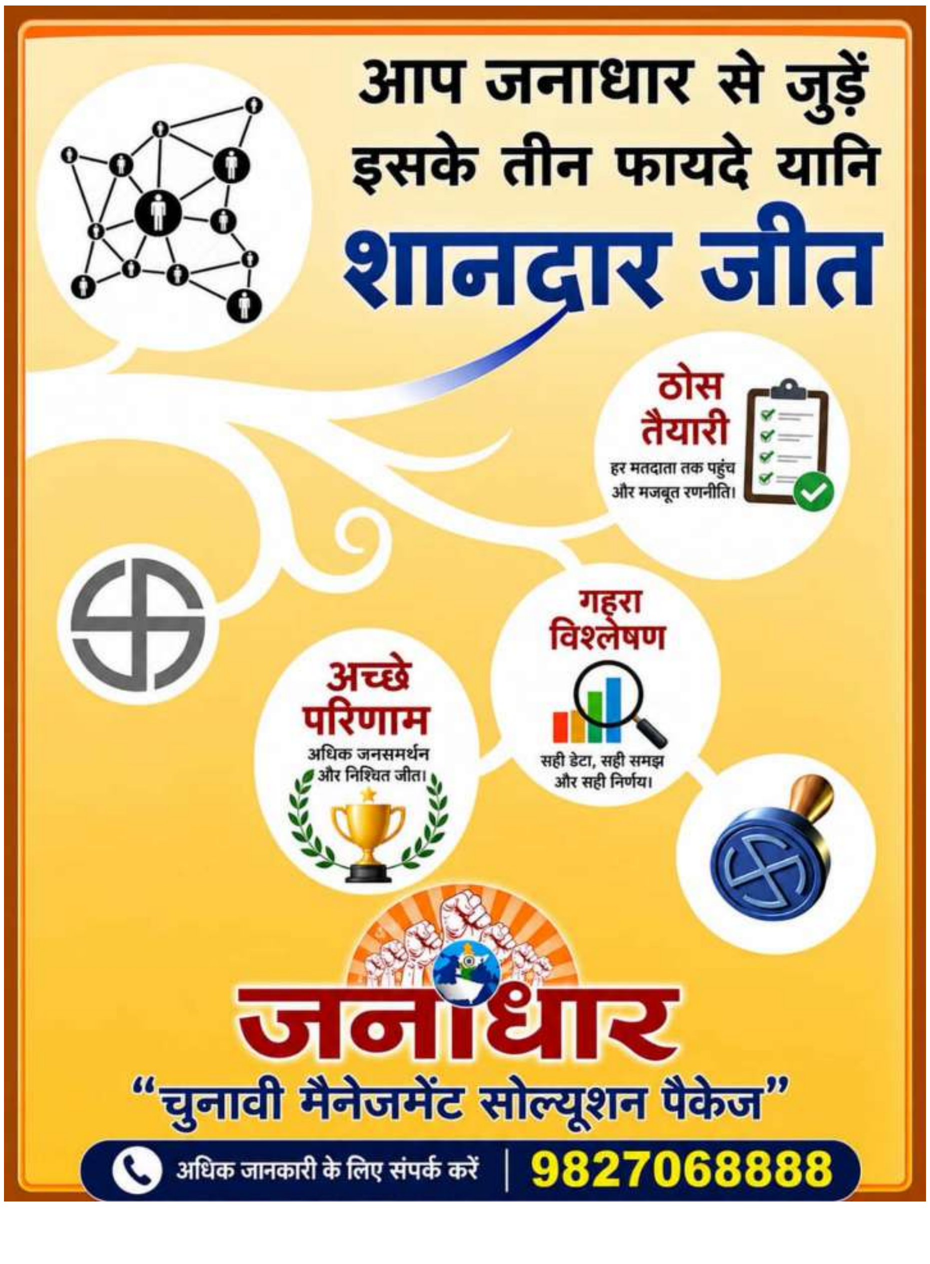

देवास पटाखा फैक्ट्री हादसे में बढ़ा मौतों का आंकड़ा

एमवाय में इलाज के दौरान दो और मजदूरों ने दम तोड़ा

इंदौर. जिले के टोंककलां स्थित पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण विस्फोट के बाद मौतों का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है।

इंदौर के एमवाय अस्पताल में भर्ती घायल मजदूरों में से दो और श्रमिकों की उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतकों की पहचान निरंजन और अजय के रूप में हुई है। इसके साथ ही हादसे में जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर आठ हो गई है।

हादसे में गंभीर रूप से घायल 15 मजदूरों को इंदौर के अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। इनमें कई श्रमिक बुरी तरह झुलस गए थे। बताया जा रहा है कि फैक्ट्री में बारूद में आग लगने के बाद जोरदार धमाका हुआ, जिसने पूरी फैक्ट्री को तबाह कर दिया। विस्फोट इतना भीषण था कि कुछ मजदूरों के शरीर के टुकड़े दूर तक जा गिरे। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि फैक्ट्री में अवैध रूप से बारूद और पटाखों का भंडारण किया गया था। हादसे के बाद प्रशासन ने फैक्ट्री मालिक के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (NSA) के तहत कार्रवाई की है। मामले में कई लोगों के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज की गई है।

वहीं हादसे में घायल विशाल नामक युवक को सिर में गंभीर चोट आई है। बताया गया कि विस्फोट के समय वह सड़क से गुजर रहा था और धमाके के कारण सड़क पर गिर पड़ा। वह झुलसा नहीं लेकिन गिरने से उसके सिर में गंभीर चोट आई और खून का थक्का जम गया। फिलहाल उसका इलाज न्यूरो सर्जरी वार्ड में चल रहा है। डॉक्टरों के अनुसार उसकी हालत में सुधार है और उसे जल्द डिस्चार्ज किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने भी घायलों के बेहतर इलाज के निर्देश दिए हैं। एमवाय अस्पताल की बर्न यूनिट में पांच नर्सिंग कर्मचारियों की 24 घंटे ड्यूटी लगाई गई है। वहीं चोइथराम अस्पताल में भर्ती चार मरीजों में से तीन को छुट्टी दे दी गई है, जबकि अरविंदो अस्पताल में भी तीन मरीजों का उपचार जारी है।

इंदौर के युवक की हत्या का खुलासा, पांच आरोपी गिरफ्तार

मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया

टीकमगढ़. टीकमगढ़ के मवई गांव में रिश्तेदारी में तेरहवीं कार्यक्रम में शामिल होने आए इंदौर निवासी युवक अमित विश्वकर्मा की हत्या के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार, 17 मई को मोटरसाइकिल खड़ी करने को लेकर हुए विवाद में आरोपियों ने युवक पर जानलेवा हमला कर दिया था, जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक इंदौर के नंदबाग कॉलोनी निवासी अमित विश्वकर्मा अपने रिश्तेदारों के यहां तेरहवीं कार्यक्रम में शामिल होने मवई गांव आया था। इसी दौरान गांव में कुछ युवकों के साथ उसका विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपियों ने अमित और उसके साथियों के साथ लात-घूंसों, डंडों और लकड़ी की पटिया से मारपीट कर दी। गंभीर हालत में अमित को जिला चिकित्सालय ले जाया गया, जहां से उसे मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना में अमित के दो रिश्तेदार भी घायल हुए हैं, जिनका इलाज जिला अस्पताल में जारी है। पुलिस जांच में सामने आया कि मवई गांव निवासी बहादुर लोधी, राहुल लोधी व छीपोन गांव निवासी सौरभ लोधी, रामकृष्ण लोधी और राजकुमार अहिरवार ने मिलकर वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है।

आसपास असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है

हालांकि, गांव के लोगों का कहना है कि विवाद की असली वजह शराब दुकान के सामने शराब पीने को लेकर हुई कहासुनी थी। ग्रामीणों के अनुसार मवई गांव की शराब दुकान के बाहर देर रात तक खुलेआम शराबखोरी होती है, जिससे आए दिन विवाद और मारपीट की घटनाएं होती रहती हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि शराब दुकान के आसपास असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है, जो राहगीरों से भी विवाद करते हैं।

वहीं, पुलिस प्रवक्ता रहमान खान द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि विवाद की जड़ मोटरसाइकिल साइड में लगाने को लेकर हुई कहासुनी थी, जिसके बाद आरोपियों ने हमला किया। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि इसी सड़क पर पहले एक सर्राफा व्यापारी की हत्या भी हो चुकी है, जिसका अब तक खुलासा नहीं हो पाया है। घटना के बाद गांव में दहशत और आक्रोश का माहौल बना हुआ है।

वरिष्ठ पत्रकार अरशद अली बने 'प्रेस मीडिया पत्रकार कल्याण संघ' के प्रदेश महासचिव

पत्रकार हितों की आवाज को मिली नई मजबूती, शिवपुरी में खुशी की लहर

शिवपुरी जिले के वरिष्ठ पत्रकार अरशद अली को राष्ट्रीय स्तर पर एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपे जाने पर पूरे मीडिया जगत में खुशी और उत्साह का माहौल है।

पत्रकार हितों और उनके कल्याण के लिए कार्यरत राष्ट्रीय संगठन प्रेस मीडिया पत्रकार कल्याण संघ ने संगठन का विस्तार करते हुए अरशद अली को प्रदेश महासचिव के पद पर मनोनीत किया है। उनकी इस नियुक्ति को पत्रकारिता जगत के लिए सम्मान और गौरव का विषय माना जा रहा है।

वर्तमान में वंदे भारत टीवी न्यूज़ चैनल में क्राइम ब्यूरो चीफ के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे अरशद अली लंबे समय से निष्पक्ष, निर्भीक और जनहितकारी पत्रकारिता के लिए पहचाने जाते हैं। उन्होंने हमेशा समाज की समस्याओं को प्रमुखता से उठाकर आम जनता की आवाज को प्रशासन तक पहुंचाने का कार्य किया है। यही कारण है कि उनकी मेहनत, ईमानदारी और सक्रिय पत्रकारिता को देखते हुए संगठन के राष्ट्रीय नेतृत्व ने उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है।

जानकारी के अनुसार यह नियुक्ति संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रविन्द्र सिंह पवैया की सहमति से की गई है। नियुक्ति पत्र में स्पष्ट किया गया है कि अरशद अली का कार्यकाल 20 मई 2026 से 1 मई 2027 तक प्रभावी रहेगा। नियुक्ति की प्रतिलिपि जनसम्पर्क विभाग और पुलिस अधीक्षक कार्यालय को भी सूचनार्थ प्रेषित की गई है।

संगठन द्वारा जारी पत्र में उम्मीद जताई गई है कि अरशद अली प्रदेश स्तर पर पत्रकारों के हितों की रक्षा, उनके सम्मान और सुरक्षा के लिए मजबूती से कार्य करेंगे। साथ ही वे संगठन को मजबूत बनाने, नए पत्रकार साथियों को जोड़ने और समाजसेवी लोगों को संगठन से जोड़कर पत्रकार एकता को नई दिशा देंगे।

अरशद अली की नियुक्ति के बाद शिवपुरी सहित पूरे क्षेत्र के पत्रकारों और सामाजिक संगठनों में खुशी की लहर दौड़ गई है। वार्ड क्रमांक 29 साईंपुरा मस्जिद के पास निवास करने वाले अरशद अली को बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। पत्रकार साथियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी नेतृत्व क्षमता और संघर्षशील व्यक्तित्व से संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी।

मीडिया जगत के लोगों का मानना है कि अरशद अली जैसे कर्मठ और जमीनी पत्रकार को यह जिम्मेदारी मिलना न केवल उनके व्यक्तिगत संघर्ष और मेहनत का सम्मान है, बल्कि यह पूरे शिवपुरी जिले के लिए गर्व की बात है। उन्होंने हमेशा पत्रकारिता को सेवा और समाजहित का माध्यम माना है तथा हर परिस्थिति में सच को सामने लाने का साहस दिखाया है।

क्षेत्र के लोगों ने विश्वास जताया है कि अरशद अली अपनी नई जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाते हुए पत्रकारों के अधिकारों और सम्मान की लड़ाई को और मजबूत करेंगे।

शाजापुर. जिला जेल शाजापुर को आज बेहतर जेल प्रबंधन एवं पर्यावरण प्रबंधन में सभी मापदण्डों पर खरा उतरने पर आईएसओ ISO 9001: 2015 एवं ISO 14001:2015 प्रमाण पत्र मिला हैं।

दैनिक जीवन में छोटे-छोटे बदलाव अपनाकर प्रधानमंत्री जी के संदेश को जन आंदोलन बनाएं : मंत्री श्री राजपूत

मंत्रालय से पैदल पहुंचे शासकीय निवास स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और सादगी का दिया संदेश

भोपाल. खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने शुक्रवार को विभागीय समीक्षा बैठक के उपरांत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अपील को अपनी दिनचर्या में शामिल करते हुए स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता, अनुशासित जीवनशैली और सादगी का प्रेरणादायक संदेश दिया।

मंत्री श्री राजपूत मुख्यमंत्री सचिवालय से अपने शासकीय निवास सी-2, 74 बंगले तक पैदल पहुंचे। उन्होंने नागरिकों से भी अपील की कि वे दैनिक जीवन में छोटे-छोटे बदलाव लाकर प्रधानमंत्री श्री मोदी के संदेश को आंदोलन का रूप दें। उन्होंने नागरिकों से अधिक से अधिक पैदल चलने और अनावश्यक वाहन उपयोग से बचने का प्रयास करने की भी अपील की।

मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि भागदौड़ भरी जीवनशैली और लगातार बढ़ते तनाव के बीच स्वास्थ्य का ध्यान रखना अत्यंत आवश्यक हो गया है। नियमित पैदल चलना न केवल शरीर को स्वस्थ और सक्रिय बनाए रखता है, बल्कि मानसिक शांति, सकारात्मक सोच और ऊर्जा भी प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि यदि लोग प्रतिदिन कुछ समय पैदल चलने की आदत विकसित करें तो कई गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ व्यक्ति ही स्वस्थ समाज और मजबूत राष्ट्र निर्माण में अपनी प्रभावी भूमिका निभा सकता है। इसलिए हर व्यक्ति को अपनी दिनचर्या में योग, व्यायाम और पैदल चलने जैसी गतिविधियों को शामिल करना चाहिए। इससे ईंधन की बचत के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी हमारा योगदान बढ़ेगा। मंत्री श्री राजपूत ने यह भी कहा कि जनप्रतिनिधियों और समाज के जिम्मेदार लोगों को स्वयं उदाहरण प्रस्तुत कर समाज को सकारात्मक दिशा देने का प्रयास करना चाहिए।

श्री राजपूत ने कहा कि सादगीपूर्ण जीवनशैली भारतीय संस्कृति की पहचान रही है और आज के समय में इसकी प्रासंगिकता और अधिक बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि छोटी-छोटी अच्छी आदतें व्यक्ति के जीवन में बड़ा परिवर्तन ला सकती हैं।

रणजीत टाइम्स
प्रधान संपादक : गोपाल मावंडे

सहजयोग : ब्रह्मांडीय स्पंदनों और सुप्त शक्तियों की जागृति का विज्ञान

संपूर्ण ब्रह्मांड की संरचना में दो प्रकार के तत्वों की महत्वपूर्ण भूमिका मानी गई है — जैविक और अजैविक। भारतीय आध्यात्मिक परंपरा के अनुसार ये दोनों तत्व आदिशक्ति के स्वरूपों, श्री लक्ष्मी और श्री सरस्वती, द्वारा संचालित होते हैं। श्री लक्ष्मी जहां श्री विष्णु की शक्ति के रूप में पदार्थ और समृद्धि का प्रतिनिधित्व करती हैं, वहीं श्री सरस्वती ज्ञान, नाद और चेतना की अधिष्ठात्री हैं।

पदार्थ और शब्द, दोनों ही मानव जीवन के अभिन्न अंग हैं, किंतु आदिशक्ति के तीसरे स्वरूप महाकाली की माया के कारण मनुष्य इनकी बाहरी परतों में उलझा रहता है। पदार्थों का आकर्षण उसे स्थूलता तक सीमित रखता है, जबकि शब्दों की माया व्यक्ति को प्रिय-अप्रिय, सफल-असफल तथा भ्रम और द्वंद्व में बांधे रखती है। शास्त्रों में शब्दों को तीन स्तरों पर वर्णित किया गया है —

वे शब्द जिन्हें हम बोलते और सुनते हैं,

वे जो केवल भीतर सुनाई देते हैं, जैसे विचार, स्मृतियां और कल्पनाएं, तथा मानस स्तर के सूक्ष्म स्पंदन, जहां वर्ण और चेतना का अनुभव होता है।

मनुष्य प्रायः दूसरे प्रकार के शब्दों — विचारों और मानसिक प्रतिक्रियाओं — से प्रभावित और भ्रमित होता रहता है। वस्तुओं को देखकर उत्पन्न इच्छाएं ही विचार और शब्दों का रूप लेती हैं।

भारतीय दर्शन के अनुसार वास्तविक ज्ञान न तो उत्पन्न किया जा सकता है और न ही नष्ट। वह जन्म से ही मनुष्य के भीतर विद्यमान रहता है। जैसे-जैसे आत्मा और चेतना के बीच की दूरी कम होती है, वैसे-वैसे यह ज्ञान प्रकट होने लगता है। तब साधक सूक्ष्म शरीर के चक्रों पर वर्णों और स्पंदनों का अनुभव करता है, जो ब्रह्मांडीय नाद से जुड़कर गहन आत्मबोध का मार्ग खोलते हैं।

जिसे स्वयं का ज्ञान नहीं होता, उसका बाहरी ज्ञान भी अधूरा और भ्रमपूर्ण रह सकता है। हम अक्सर दूसरों के अनुभवों को ही ज्ञान मान लेते हैं, जबकि वास्तविक खोजकर्ता वही है जो स्वयं अनुभव और आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करे।

श्री माताजी निर्मला देवी जी द्वारा स्थापित सहजयोग आत्मसाक्षात्कार और ब्रह्मानुभूति का एक सहज एवं वैज्ञानिक मार्ग है। यह अंधविश्वास, कर्मकांड और बाहरी आडंबरों से परे जाकर विवेक, ध्यान और आंतरिक जागृति पर आधारित है। सहजयोग व्यक्ति को विचारों की निरंतरता से बाहर निकालकर ध्यान की अवस्था में ले जाता है, जहां वह अपने भीतर विद्यमान उस सहज ज्ञान और शक्ति का अनुभव कर सकता है जो जन्म से उसके साथ होती है।

सहजयोग के अभ्यास से साधक स्पंदनों की सूक्ष्म भाषा को समझने लगता है, जिसे अधिक वास्तविक, तीव्र और प्रभावशाली माना गया है। इसी माध्यम से व्यक्ति स्वयं तथा दूसरों की मानसिक और आध्यात्मिक स्थिति का अनुभव कर सकता है।

सहजयोग पूर्णतः निशुल्क है। सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी प्राप्त करने हेतु टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 पर संपर्क करें।

बालाघाट के सांदीपनि विद्यालय का छात्र जाएगा नासा, शैक्षणिक भ्रमण के लिए हुआ चयन

आईएसएससी 2026 में देशभर में हासिल किया प्रथम स्थान, अंतरिक्ष विज्ञान में सांदीपनि विद्यालय की गूंज पहुंची नासा तक

भोपाल. प्रदेश के बालाघाट जिले स्थित सांदीपनि विद्यालय के कक्षा 12वीं के छात्र श्री मयंक मात्रे ने राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल कर मध्यप्रदेश को गौरवान्वित किया है।

आईएसएससी 2026 में श्री मयंक मात्रे ने देशभर में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उनकी इस उल्लेखनीय सफलता के आधार पर उनका चयन प्रतिष्ठित नासा एजुकेशन टूर के लिए हुआ है। श्री मयंक की यह उपलब्धि प्रदेश के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत है तथा उनकी मेहनत, प्रतिभा और समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करती है।

"Grand Winner" घोषित

मध्यप्रदेश के सांदीपनि विद्यालय गुणवत्तापूर्ण एवं नवाचार आधारित शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित कर रहे हैं। इसी क्रम में बालाघाट जिले के सांदीपनि विद्यालय वारासिवनी के कक्षा 12वीं के छात्र मयंक मात्रे ने आईएसएससी (International Space Science Competition) में ऑल इंडिया रैंक-1 प्राप्त कर विद्यालय एवं प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। इस उपलब्धि के साथ उन्हें "Grand Winner" घोषित किया गया तथा आगामी सितंबर 2026 में आयोजित होने वाले निःशुल्क नासा एजुकेशन टूर (USA) के लिये चयनित किया गया है। यह प्रतियोगिता Go4Guru द्वारा देशभर के स्कूल एवं महाविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए आयोजित की जाती है।

सांदीपनि विद्यालय में विद्यार्थियों को आईएसएससी 2026 प्रतियोगिता की जानकारी दिए जाने के बाद इच्छुक विद्यार्थियों को इसमें भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया। इसी क्रम में मयंक ने 8 अप्रैल 2026 को आयोजित प्रारंभिक परीक्षा में भाग लिया। 4 मई को घोषित परिणामों में उन्होंने ऑल इंडिया रैंक-5 प्राप्त कर देशभर के शीर्ष 17 विद्यार्थियों में स्थान बनाते हुए फाइनल राउंड के लिए चयनित हुए। इसके बाद 15 मई 2026 को जूम के माध्यम से आयोजित लाइव फाइनल राउंड में नासा से संबद्ध शैक्षणिक कार्यक्रमों के प्रतिनिधियों एवं Go4Guru टीम की उपस्थिति में प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में त्वरित उत्तर आधारित विभिन्न क्विज राउंड हुए, जिनमें प्रतिभागियों को कुछ ही सेकंड में उत्तर प्रस्तुत करना था। देशभर के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के मध्य प्रतिस्पर्धा करते हुए मयंक ने सर्वाधिक 155 अंक प्राप्त किए और आईएसएससी 2026 के विजेता घोषित हुए।

इस उपलब्धि के अंतर्गत मयंक का चयन आगामी नासा शैक्षणिक भ्रमण (NASA Educational Tour) के लिए किया गया है। इस दौरान उन्हें केनेडी स्पेस सेंटर, ऑरलैंडो का भ्रमण, अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय परिसर का अवलोकन, थीम पार्क अनुभव तथा डिज्नी स्प्रिंग्स जैसी शैक्षणिक एवं प्रेरणादायक गतिविधियों में सहभागिता का अवसर प्राप्त होगा।

मयंक ने अपनी सफलता का श्रेय अपनी निरंतर मेहनत, अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति रुचि एवं शिक्षकों के मार्गदर्शन को दिया। उन्होंने बताया कि वे नियमित अध्ययन के साथ ISRO, NASA एवं Space Science से संबंधित विषयों का लगातार अध्ययन करते रहे।

गौरतलब है कि विद्यालय के उप प्राचार्य श्री हुमराज पटले के नेतृत्व में विद्यालय में विज्ञान, नवाचार एवं समग्र विकास आधारित गतिविधियों को निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है। विद्यालय में नियमित अकादमिक संवाद, शिक्षक समीक्षा बैठकें, योजनाबद्ध शैक्षणिक गतिविधियाँ एवं विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिये विभिन्न प्रक्रियाएँ संचालित की जाती हैं। साथ ही, पीपल संस्था द्वारा प्रदान किए जा रहे सतत शैक्षणिक सहयोग, प्रशिक्षण आधारित मार्गदर्शन, अकादमिक सुझावों एवं विभिन्न शिक्षण प्रक्रियाओं के प्रभावी क्रियान्वयन ने विद्यालय में शिक्षण गुणवत्ता, अकादमिक संवाद एवं सीखने के वातावरण को और अधिक बेहतर एवं परिणामोन्मुख बनाया है। छात्र की इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार ने हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

कृषि रथ के माध्यम से ग्राम अकबरपुर, डबलचौकी और राघौगढ़ में किसानों को दी उन्नत खेती की जानकारी

देवास. उप संचालक कृषि श्री गोपेश पाठक ने बताया कि ''कृषक कल्याण वर्ष-2026'' अंतर्गत किसानों तक नवीन एवं वैज्ञानिक कृषि तकनीकों की जानकारी पहुंचाने के उद्देश्य से जिले के किसान रथ का संचालन किया जा रहा है।

किसान रथ जिले के विभिन्न ग्रामों में पहुंचकर उन्नत खेती के संबंध में जानकारी दी जा रही है। इसी कड़ी में कृषि रथ गुरूवार को ग्राम अकबरपुर, डबलचौकी एवं राघौगढ़ पहुँचा। इस दौरान ग्रामों में आयोजित कृषि संगोष्ठियों और चौपालों में बड़ी संख्या में कृषकों ने भाग लिया, जहाँ कृषि विभाग के तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा खरीफ सीजन की फसलों के उन्नत प्रबंधन को लेकर विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया। इस दौरान कृषि अधिकारियों ने 'ई-विकास प्रणाली' के अंतर्गत ई-टोकन व्यवस्था के माध्यम से इस वर्ष किसानों को उर्वरक वितरण सुगम बनाया जा रहा है। इसके साथ ही 'बलराम ऐप' के उपयोग के बारे में किसानों को लाइव डेमो देकर समझाया गया, जिसके माध्यम से किसान रासायनिक खाद को ई-टोकन सुविधा के माध्यम से बुक करने का लाभ सीधे अपने मोबाइल से ले सकते हैं। कृषि अधिकारियों ने कृषकों को आश्वस्त किया कि आगामी खरीफ सीजन के लिए विकासखंड में उर्वरक का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है, इसलिए किसी भी प्रकार की घबराहट में आकर जरूरत से ज्यादा भंडारण न करें।

मूंग फसल उपार्जन के लिए पंजीयन प्रक्रिया 25 मई से होगी प्रारंभ

देवास. उप संचालक कृषि श्री गोपेश पाठक ने बताया कि भारत सरकार की प्राइस सपोर्ट स्कीम योजना अंतर्गत वर्ष 2025-26 (विपणन वर्ष 2026-27) ग्रीष्मकालीन फसल मूंग एवं उड़द को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर उपार्जन के लिए 25 मई से 15 जून तक पंजीयन किया जायेगा। उन्होंने बताया कि किसानों को मूंग फसल बेचने के लिए स्लॉट चयन की प्रक्रिया पूर्व की भांति रहेगी एवं उपार्जन हेतु कृषकों से पंजीयन के समय ही आधार नम्बर से लिंक बैंक खाता नम्बर लिया जायेगा। मूंग का उपार्जन भारत सरकार द्वारा प्रदत्त लक्ष्य सीमा अनुसार कृषकों के उत्पादन का केवल 25 प्रतिशत तक ही उपार्जन किया जायेगा। शासन द्वारा जारी निर्देशानुसार इस वर्ष खरीदी केन्द्रों द्वारा उपज खरीदने से पहले कृषक की वास्तविक पहचान के लिए आधार-सक्षम पी.ओ.एस. मशीन या मोबाइल ऐप के माध्यम से चेहरे का प्रमाणीकरण कर वास्तविक किसान का सत्यापन किया जायेगा। विगत वर्षों की भांति ओटीपी मान्य नहीं होगा। उन्होंने बताया कि यदि कृषक खरीदी केन्द्र पर स्वयं उपस्थित न हो पाये तो अपनी फसल के विक्रय के लिए पंजीयन के समय 03 अधिकृत व्यक्तियों का नाम और आधार नम्बर दे सकेगा।

ॐ श्री महाकालेश्वराय नमः

दिनांक 23 मई 2026 को ज्योतिर्लिंग भगवान श्री महाकालेश्वर जी का प्रातः कालीन भस्म आरती श्रृंगार दर्शन

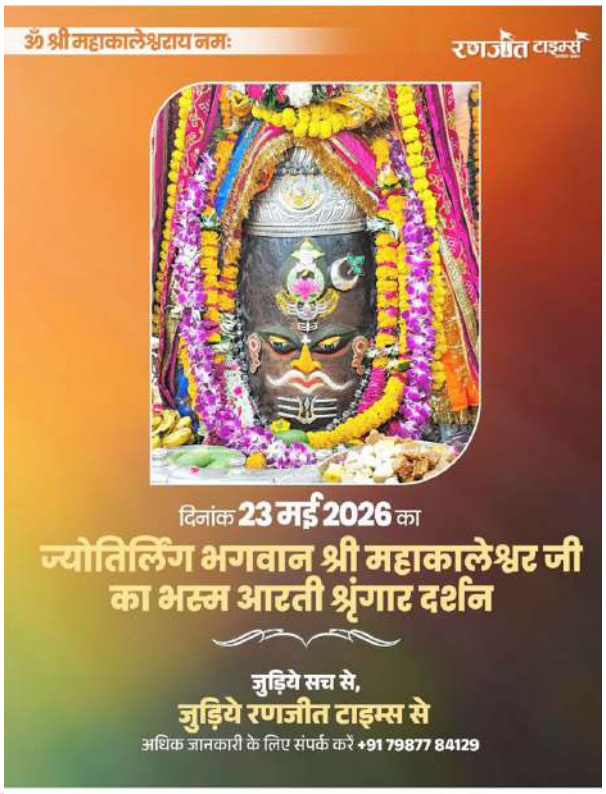

पारंपरिक मछली पालन से आगे बढ़कर स्टार्टअप आधारित होगा मत्स्योद्योग : राज्यमंत्री श्री पंवार

मध्यप्रदेश बनेगा देश का ब्लू इकॉनमी हबः केज कल्चर के लिए डेढ़ से दो लाख प्रस्ताव

निवेशकों के लिए नियुक्त होंगे कॉन्टैक्ट ऑफिसर, योजना, सब्सिडी और दस्तावेजीकरण में करेंगे मदद

कोल्ड चेन, हैचरी और फिश फीड पर मिलेगी सब्सिडीः कृषि उत्पादन आयुक्त श्री बर्णवाल

भोपाल. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मत्स्योत्पादन को दोगुना करने के विजन को लेकर 'मध्यप्रदेश एकीकृत मत्स्योद्योग नीति 2026' के सफल क्रियान्वयन की दिशा में शुक्रवार को राज्य स्तरीय 'हितधारक सम्मेलन' हुआ।

इस सम्मेलन में मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री नारायण सिंह पंवार की उपस्थिति में मत्स्य क्षेत्र के उद्यमियों और निवेशकों ने उत्साह दिखाया।

राज्यमंत्री श्री पंवार ने कहा कि प्रदेश में पहले वर्ष 10 हजार केज लगाने का लक्ष्य था, लेकिन निवेशकों की ओर से लगभग 2 लाख केज लगाने के प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। यह दिखाता है कि प्रदेश में मत्स्य उत्पादन को दोगुना करने की दिशा में विभाग द्वारा सकारात्मक पहल की जा रही है।

मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री नारायण सिंह पंवार ने कहा कि आज का यह समागम केवल एक औपचारिक बैठक नहीं है, बल्कि मध्यप्रदेश को देश का अग्रणी मत्स्य उत्पादक राज्य बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हमारी सरकार पहली बार पारंपरिक मत्स्य पालन की सीमाओं से आगे बढ़कर एकीकृत मत्स्योद्योग (हितग्राही और उद्यमी मॉडल) पर काम कर रही है। इसे केवल एक समाज आधारित योजना के रूप में न देखकर, हर वर्ग को साथ लेकर चलने और रोजगार सृजन की 'स्टार्टअप आधारित ब्लू इकॉनमी' के रूप में देखा जाना चाहिए।

केज कल्चर के लिए खत्म हो आवेदन की समय सीमाः श्री पंवार

राज्यमंत्री श्री पंवार ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि केज कल्चर के प्रस्ताव प्राप्त करने की प्रक्रिया को किसी समय-सीमा में न बांधा जाए। इसे एक सतत प्रक्रिया बनाया जाए जिससे अधिक से अधिक युवा उद्यमी और हितग्राही इससे जुड़ सकें। कृषि उत्पादन आयुक्त श्री अशोक बर्णवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव मत्स्य विकास के लिए 100 करोड़ रुपये तक खर्च करने को तैयार हैं, लेकिन वे चाहते हैं कि इसका सीधा लाभ आम लोगों को मिले। उन्होंने स्पष्ट किया कि हम इस क्षेत्र को मजबूत करने के लिए इकोसिस्टम को मजबूत किया जाएगा। इसके लिए कोल्ड चेन मेंटेन करने, हैचरी निर्माण और फिश फीड के लिए शासन द्वारा पूरी सहायता और सब्सिडी दी जाएगी। उन्होंने बैंकिंग और इंश्योरेंस क्षेत्र के हितधारकों से मत्स्य उत्पादन के आधुनिकीकरण में सहयोग की अपील की।

हर निवेशक के साथ जुड़ेंगे कॉन्टैक्ट ऑफिसरः सचिव श्री सिंह

मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास विभाग के सचिव श्री स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि मध्यप्रदेश जलाशयों का केंद्र है। 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को बढ़ावा देने के लिए हर निवेशक के साथ सुविधानुसार एक 'कॉन्टैक्ट ऑफिसर' नियुक्त किया जाएगा। यह अधिकारी निवेशक के सभी आवश्यक दस्तावेजीकरण, सब्सिडी और अन्य विभागीय कार्यों को पूर्ण कराने में मदद करेगा। साथ ही, विभाग द्वारा मार्केटिंग और प्रोसेसिंग से जुड़े एक्सपर्ट्स की सूची भी उपलब्ध कराई जाएगी।

राज्यमंत्री श्री नारायण सिंह पंवार ने केज कल्चर के प्रस्तावों के अनुरूप प्राथमिक रूप से चयनित केज कल्चर के हितधारकों को अभिस्वीकृति पत्र वितरित किये गए। मत्स्य महासंघ के प्रबंध संचालक श्री अनुराग चौधरी ने सभी हितधारकों का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में निवेशकों और उद्यमियों के साथ 'राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस' भी आयोजित की गई, जिसमें स्टेक होल्डर्स से प्राप्त प्रस्तावों और अन्य विभागों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने पर विस्तृत चर्चा हुई। इसके अलावा, प्रदेश में 'केज कल्चर' को बढ़ावा देने के लिए इसमें इस्तेमाल होने वाले सीड, फीड और जाल आदि की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विक्रेताओं के साथ भी विचार-विमर्श किया गया।

कार्यक्रम में मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास विभाग के संचालक श्री मनोज पथरोलिया, मत्स्य महासंघ के महाप्रबंधक श्री रवि गजभिए समेत प्रदेश भर से आए मत्स्य उद्यमी, निवेशक, सहकारी संस्थाओं के प्रतिनिधि और विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। उप संचालक, मत्स्योद्योग श्री गिरीश मेश्राम ने सभी अतिथियों, निवेशकों और हितधारकों के प्रति आभार व धन्यवाद ज्ञापित किया।

दुर्लभ प्रतिबंधित प्रजाति के कछुओं की तस्करी के आरोपियों की जमानत याचिका खारिज

भोपाल. मध्यप्रदेश के विभिन्न शहरों में रेल नेटवर्क के जरिये दुर्लभ प्रतिबंधित प्रजाति के कछुओं की तस्करी में शामिल संगठित गिरोह के आरोपी परवेज खान और दीपक पारखे की प्रथम जमानत याचिका माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर द्वारा खारिज कर दी गई है।

3 फरवरी को पटना-इंदौर एक्सप्रेस में स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स मध्यप्रदेश, भोपाल, रेल्वे सुरक्षा बल (RPF) एवं वनमण्डल भोपाल के द्वारा संयुक्त रूप से कार्यवाही करते हुए संत हिरदाराम स्टेशन से एक आरोपी अजय सिंह राजपूत वल्द राजकुमार निवासी इंदौर जो प्रथम श्रेणी वातानुकूलित श्यानयान (फस्ट एसी कोच) में Attendant के रूप में कार्यरत था, उसके पास से 311 नग दुर्लभ एवं प्रतिबंधित प्रजाति के जीवित कछुओं को जप्त कर स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स (एसटीएसएफ) ने वन अपराध प्रकरण 237/23 दिनांक 3 फरवरी पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

प्रकरण में गिरफ्तार आरोपी को फारेस्ट रिमाण्ड में लेकर पूछताछ के बाद वैज्ञानिक साक्ष्यों का संग्रहण कर प्रदेश के भीतर कई शहरों नीमच, मंदसौर, रतलाम, इंदौर, देवास, उज्जैन, नागदा, शाजापुर एवं प्रदेश के बाहर लखनऊ (उत्तरप्रदेश) में कई दल बनाकर एक साथ छापामार कार्यवाही करते हुए जलीय वन्यजीव कछुओं के अवैध व्यापार में लिप्त एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश किया, जो रेल के माध्यम से विगत कुछ समय से वन्यजीवों की तस्करी में लिप्त था। गिरोह के कई सदस्यों जो कि Pet shop Owner, Pet Parrent, Dog Breeder & Rail AC First Coach Attendant है, उक्त कार्यवाही में कुल 313 नग जीवित दुर्लभ, प्रतिबंधित एवं अनुसूची-। में दर्ज चार विभिन्न प्रजाति के वन्यजीव कछुओं (Indian Tent Turtle, Indian Roofed Turtle, Crowned River Turtle & Star Tortoise) एवं 2 नग जीवित वन्यजीव Rase-ring panaker को जप्त किया गया। साथ ही अपराध में प्रयुक्त आरोपियों से 1 नग मोटरसाइकिल एवं 8 नग मोबाइल फोन को भी जप्त कर मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश के विभिन्न शहरों से 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। प्रकरण में शामिल आरोपी परवेज खान निवासी रतलाम व दीपक पारखे, निवासी इंदौर द्वारा माननीय उच्च न्यायालय मध्यप्रदेश जबलपुर में प्रथम जमानत याचिका दायर की जिसे माननीय उच्च न्यायालय मध्यप्रदेश जबलपुर द्वारा स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स इकाई भोपाल द्वारा की गई सटिक विवेचना एवं अभियोजन पक्ष द्वारा दी गई दलीलो, दुर्लभ जलीय वन्यजीव की तस्करी के अंतराज्जीय गिरोह से संबंधित होकर अत्यंत गंभीर एवं संवेदनशील प्रकृति के आधार पर खारिज की गई। प्रकरण में अभी विवेचना जारी है।

विद्युत कंपनी की उपभोक्ताओं को सलाहः 26 डिग्री पर चलाएं AC, बचाएं 30 प्रतिशत तक बिजली

स्मार्ट उपभोक्ता की स्मार्ट चॉइस

भोपाल. गर्मी में बिजली की खपत बढ़ने से बिजली बिल अधिक आता है, लेकिन कुछ तरीके अपना कर बिजली बिल में कमी की जा सकती है।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कहा है कि एक शोध से यह साबित हुआ है कि एसी का तापमान 26 डिग्री पर सेट करने से बिजली बिल में 30 प्रतिशत तक कमी हो सकती है। शोध के अनुसार, प्रत्येक डिग्री तापमान में वृद्धि के परिणामस्वरूप स्प्लिट एसी की ऊर्जा खपत में 6 प्रतिशत की कमी आती है।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अनुसार गर्मियों के दौरान एयर कंडीशनर के लगातार चलने के कारण बिजली का बिल उपभोक्ताओं के लिए चिंता का एक बड़ा कारण बन जाता है। लेकिन एयर कंडीशनर का समझदारी से उपयोग करके आप इसे काफी हद तक कम कर सकते हैं। विद्युत वितरण कंपनी के द्वारा जारी सुझावों में सबसे महत्वपूर्ण है कि एसी को ऊंचे लेकिन आरामदायक तापमान पर चलाना चाहिए।

कमरे को तुरंत ठंडा करने के लिए तापमान को 18 डिग्री तक कम करना एक आम गलतफहमी है। जबकि 26 डिग्री सेल्सियस तक कमरे का तापमान कम करने में भी उतना ही समय लगता है। लेकिन जब आप कम तापमान सेट करते हैं, तो कंप्रेसर को अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ती है। इसके परिणामस्वरूप अधिक बिल आता है। यहां तक कि अगर आप थर्मोस्टेट को 18 डिग्री पर सेट करने के बाद कुछ मिनटों के भीतर एसी बंद कर देते हैं, तो विभिन्न लीक के माध्यम से ठंडी हवा के फैलने से तापमान तेजी से बढ़ जाएगा, जिससे आपका प्रयास व्यर्थ हो जाएगा।

विशेषज्ञों का कहना है कि यदि आप थर्मोस्टेट को 26 डिग्री सेल्सियस पर सेट करके टाइमर को 2 घंटे के लिए सेट करते हैं और साथ में सीलिंग फैन चला देते हैं, तो यह आमतौर पर अच्छी नींद के लिए आरामदायक तापमान बनाए रखता है। इसलिए समझदारी से काम लेते हुए एसी को 26 डिग्री पर सेट करें तथा सीलिंग फैन एक या दो पाइंट पर जरूर चलाएं, ऐसा करने से बिजली बिल में कमी आ सकती है।

ग्राम चंद्रेश्वरी में आयोजित हुई कृषक संगोष्ठी

उज्जैन। कृषि कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के मार्गदर्शन में शुक्रवार को ग्राम चंद्रेश्वरी में एक महत्वपूर्ण कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

इस संगोष्ठी में स्थानीय किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों एवं सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। किसानों को ई-विकास प्रणाली ,फसल विविधीकरण , प्राकृतिक खेती, संतुलित उर्वरकों का उपयोग तथा विभिन्न विभागीय योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया गया। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर एवं कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों ने किसानों को वैज्ञानिक तरीके से खेती करने, मिट्टी स्वास्थ्य सुधारने और उत्पादकता बढ़ाने के व्यावहारिक सुझाव दिए। यह संगोष्ठी किसानों को नई तकनीकों से जोड़ने और उन्हें लाभकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ दिलाने की दिशा में एक सार्थक कदम साबित हुई।

आकाशवाणी के 90 वर्ष और आकाशवाणी इंदौर के 71वें स्थापना दिवस पर मालवा हाउस में भव्य सांस्कृतिक उत्सव संपन्न

इंदौर। आकाशवाणी के गौरवशाली 90 वर्ष पूरे होने के राष्ट्रव्यापी उत्साह और आकाशवाणी इंदौर के 71वें स्थापना दिवस के ऐतिहासिक अवसर पर आज मालवा हाउस स्थित आकाशवाणी परिसर में एक भव्य और गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

सुबह से लेकर रात तक चले इस उत्सव में परंपरा, तकनीक, संस्मरण और संस्कृति का अनूठा संगम देखने को मिला। उत्सव की शुरुआत सुबह 10 बजे मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुई। दीप प्रज्वलन कार्यक्रम प्रमुख श्री राजेश पाठक, अभियांत्रिकी प्रमुख श्री अभय कुमार गुप्ता एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इसके बाद आकाशवाणी के इतिहास में एक अनूठा और ऐतिहासिक क्षण आया, जब आकाशवाणी के प्राइमरी चैनल और विविध भारती चैनल से एक साथ (सिमुलकास्ट) 1 घंटे 50 मिनट का विशेष लाइव फोन-इन प्रोग्राम प्रसारित किया गया। इस कार्यक्रम में देश-विदेश के श्रोताओं ने लाइव जुड़कर अपने शुभकामना संदेश साझा किए और आकाशवाणी से जुड़े अपने 90 वर्षों के संस्मरण सुनाए।

इस ऐतिहासिक लाइव शो में आकाशवाणी के पूर्व उद्घोषक देवेंद्र कौर मधु, संतोष जोशी, विजय राय के साथ-साथ वर्तमान कार्यक्रम प्रमुख राजेश पाठक और अभियांत्रिकी प्रमुख अभय कुमार गुप्ता भी शामिल हुए। कार्यक्रम का कुशल संचालन आकाशवाणी इंदौर के वरिष्ठ उद्घोषक संजीव मालवीय ने किया।

इस पूरे प्रसारण की लाइव स्ट्रीमिंग आकाशवाणी इंदौर के आधिकारिक फेसबुक पेज पर भी की गई, जिसे डिजिटल दर्शकों की भी शानदार प्रतिक्रिया मिली। दोपहर में स्टूडियो और पूरे प्रांगण में उत्सव का माहौल रहा, जहाँ सभी कर्मचारियों और अधिकारियों ने ढोल की थाप पर नृत्य किया और खूबसूरत रंगोलियां बनाईं।

शाम का सत्रः भव्य सांस्कृतिक एवं औपचारिक समारोह

शाम को आकाशवाणी परिसर में ही बने एक विशाल और सुसज्जित मंच पर सांस्कृतिक व औपचारिक कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। शाम के सत्र की शुरुआत श्री अभय कुमार गुप्ता (अभियांत्रिकी प्रमुख), श्री राजेश पाठक (कार्यक्रम प्रमुख) के साथ कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती डॉक्टर प्रीति छड़ीदार, श्री असीम कैथवास, श्री जे.एन. वर्मा, श्री एस.के. जैन और श्री एस.डी. यादव द्वारा दीप प्रज्वलन से हुई।

समारोह के दौरान अभियांत्रिकी प्रमुख श्री अभय कुमार गुप्ता द्वारा उपस्थित समस्त आकाशवाणी परिवार के अधिकारियों और कर्मचारियों को संस्थान के प्रति निष्ठा की शपथ दिलवाई गई। अपने उद्बोधन में श्री गुप्ता ने कहा, "वक्त के साथ तकनीकी गुणवत्ता को बनाए रखना और उसे आधुनिक बनाना आकाशवाणी की सबसे अहम और प्राथमिक जरूरत है।" वहीं, कार्यक्रम प्रमुख श्री राजेश पाठक ने अपने संबोधन में कहा, "हम सबका यह परम दायित्व है कि आज के वर्तमान और बदलते डिजिटल दौर के हिसाब से अपने कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करें और ऐसे कंटेंट पर जोर दें जो आकाशवाणी को जन-जन में और अधिक लोकप्रिय बनाए।"

इस अवसर पर आकाशवाणी इंदौर के पूर्व कार्यक्रम अधिकारी श्री राहुल पंवार का विदाई सम्मान संजीव कुमार मालवीय द्वारा किया गया। सम्मान के पश्चात श्री राहुल पंवार ने भावुक उद्बोधन देते हुए आकाशवाणी के साथ अपने अनुभवों को साझा किया।

इसके साथ ही श्रीमती अमृता विक्रम सिंह और रूपाली चव्हाण के नेतृत्व में 'बैज सेरिमनी' का गरिमापूर्ण आयोजन किया गया। औपचारिक सत्र के बाद आकाशवाणी के विभिन्न विंग्स और कलाकारों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए गए, जिसने समां बांध दिया।

स्वाति उखले और साथियों द्वारा सुमधुर लोक गीतों की प्रस्तुति दी गई। आकस्मिक उद्घोषकों अमृता विक्रम सिंह, रूपाली चव्हाण, पद्मश्री तपस्वी ,अभिलाष तिवारी ,महिमा शर्मा, माजिद खान, मनीष सोनी, निलेश जोशी ,राहुल तिवारी और राजेश जैन द्वारा आकाशवाणी के सफर और उसकी महत्ता को दर्शाता विशेष नाटक "मैं हूं आकाशवाणी" का प्रभावी मंचन किया गया। ब्रॉडकास्ट असिस्टेंस चंद्रशेखर कुरील और चेतन शाह और खेती-गृहस्थी के कंपीयर्स धरणीधर मिश्र, अनुराधा शर्मा ,नर्मदा डोलकर और संध्या कोठारी द्वारा गुदगुदाने वाली हास्य झलकियां पेश की गईं। 'महिला सभा' की कंपीयर्स शिखा साहू, सुषमा व्यास,दुर्गेश नंदनी चौधरी और दीप लक्ष्मी द्वारा "सखियों की मस्ती" और 'युवानी' व 'मराठी' कंपीयर्स द्वारा ऊर्जा से भरपूर प्रस्तुतियां दी गईं। कार्यक्रम के अंत में पूरा आकाशवाणी परिवार एक साथ ढोल की थाप पर थिरक उठा।

कार्यक्रम के सफल आयोजन पर आकाशवाणी इंदौर के कार्यक्रम अधिकारी श्री असीम कैथवास ने सभी अतिथियों, कलाकारों, कर्मचारियों और श्रोताओं का आभार व्यक्त किया।

विश्व कछुआ दिवस पर संरक्षण और जागरूकता का संदेश

"Dancing Turtles Rock!" थीम के साथ प्रकृति संरक्षण के प्रति बढ़ रही जागरूकता

भोपाल. विश्व कछुआ दिवस 23 मई को कछुओं और उनकी विभिन्न प्रजातियों के संरक्षण, प्राकृतिक आवास की सुरक्षा तथा जैव विविधता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से मनाया जाता है।

इस वर्ष विश्व कछुआ दिवस की थीम "Dancing Turtles Rock!" रखी गई है, जिसका उद्देश्य रचनात्मक और रोचक माध्यमों से लोगों को कछुओं के संरक्षण के प्रति प्रेरित करना है।

कछुए पृथ्वी के सबसे प्राचीन जीवों में शामिल हैं और जल एवं वन पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। नदियों, तालाबों और आर्द्र क्षेत्रों की स्वच्छता बनाए रखने में भी इनकी अहम भूमिका मानी जाती है। विशेषज्ञों के अनुसार बढ़ता प्रदूषण, प्लास्टिक कचरा, जल स्रोतों का क्षरण और प्राकृतिक आवास में कमी कछुओं की कई प्रजातियों के लिए गंभीर चुनौती बनते जा रहे हैं। ऐसे में इनके संरक्षण के लिए जनसहभागिता और जागरूकता अत्यंत आवश्यक है।

विश्व कछुआ दिवस के अवसर पर विभिन्न स्तरों पर लोगों को प्रकृति और वन्यजीव संरक्षण से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। विद्यार्थियों और युवाओं के बीच पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए संवाद, रचनात्मक गतिविधियां और जन-जागरूकता अभियान आयोजित किए जा रहे हैं।

विश्व कछुआ दिवस प्रकृति और जैव विविधता संरक्षण के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी का संदेश देता है। पर्यावरण संरक्षण से जुड़े प्रयासों में समाज की सक्रिय भागीदारी आने वाली पीढ़ियों के लिए प्राकृतिक संसाधनों और वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

वर्षा पूर्व सड़क, पुल एवं भवनों के संधारण का कार्य करें पूर्ण : प्रबंधक संचालक श्री यादव

सीएम हेल्पलाइन, लोक पथ ऐप एवं ब्लैक स्पॉट सुधार कार्यों को प्राथमिकता देने पर जोर

भोपाल. लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत प्रदेश में संचालित निर्माण कार्यों की गुणवत्ता एवं प्रगति की समीक्षा के लिए 20 मई को मुख्य अभियंताओं के सात दलों द्वारा भोपाल, मण्डला, अशोकनगर, खंडवा, रीवा, नीमच एवं निवाड़ी जिलों में औचक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण में कुल 34 कार्यों का रेंडम आधार पर चयन कर परीक्षण किया गया। निरीक्षित कार्यों में 21 कार्य लोक निर्माण विभाग (सड़क एवं पुल), 6 कार्य परियोजना क्रियान्वयन इकाई (पीआईयू) के भवन निर्माण, 6 कार्य मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम तथा एक कार्य मध्यप्रदेश भवन विकास निगम से संबंधित था।

निरीक्षण दलों से प्राप्त प्रतिवेदनों की समीक्षा बैठक मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम के प्रबंध संचालक श्री भरत यादव की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित की गई। बैठक में प्रमुख अभियंता (सड़क/पुल) श्री के.पी.एस. राणा, प्रमुख अभियंता (भवन) श्री एस.आर. बघेल, प्रमुख अभियंता (बीडीसी) श्री अजय श्रीवास्तव, तकनीकी सलाहकार एमपीआरडीसी श्री आर.के. मेहरा सहित विभाग के समस्त मुख्य अभियंता, अधीक्षण यंत्री, कार्यपालन यंत्री एवं निरीक्षणकर्ता अधिकारी ऑनलाइन उपस्थित रहे।

समीक्षा में निवाड़ी जिले में सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालय से रियारा धाम तेहरका तक 1.50 किलोमीटर लंबाई की निर्माणाधीन सड़क के संबंध में संबंधित मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग सागर परिक्षेत्र को पुनः निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त 19 अन्य कार्यों में आंशिक सुधार कर गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए गए।

बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि निरीक्षण प्रतिवेदनों में की गई अनुशंसाओं का समयबद्ध पालन सुनिश्चित किया जाए तथा पूर्व में किए गए निरीक्षणों की लंबित कार्यवाहियों का निराकरण अगली समीक्षा बैठक से पूर्व पूर्ण किया जाए।

समीक्षा में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन एवं लोकपथ ऐप पर प्राप्त शिकायतों के संतोषजनक और समयबद्ध निराकरण पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों को शिकायतकर्ताओं को निराकरण की जानकारी देकर संतुष्टि प्राप्त करने तथा विभागीय रैंकिंग में सुधार के लिये निरंतर प्रयास करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में वर्षा ऋतु से पूर्व सड़क, पुल एवं भवनों के संधारण कार्य पूर्ण करने, दुर्घटना संभावित ब्लैक स्पॉट स्थलों के सुधार कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने तथा लोक कल्याण सरोवर योजना के कार्य 30 जून 2026 तक पूर्ण कर विभागीय पोर्टल पर जियो-टैग्ड वाली फोटो अपलोड करने के निर्देश भी दिए गए।

इसके अतिरिक्त भास्कराचार्य संस्थान द्वारा विकसित किए जा रहे लोक कल्याण सूचकांक मॉड्यूल में समय पर प्रविष्टियां दर्ज करने, सड़क किनारे पौधारोपण करने तथा विभागीय नवाचारों के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

मंदिरों के पवित्र फूलों से सुगंधित उद्यमिता का अनुकरणीय उदाहरण

उज्जैन। पुष्पांजलि इकोनिर्मित द्वारा एक सराहनीय सामाजिक उद्यमिता पहल की जा रही है। इस संस्थान द्वारा मंदिरों में चढ़े पवित्र फूलों को कचरे में जाने से बचाकर उच्च गुणवत्ता वाली अगरबत्ती (धूपबत्ती) और अन्य पर्यावरण-अनुकूल उत्पादों में परिवर्तित कर रही है। यह उद्यम न केवल स्वच्छ भारत अभियान को मजबूती प्रदान कर रहा है, बल्कि महिलाओं के सशक्तिकरण और सस्टेनेबल बिजनेस मॉडल का उत्कृष्ट उदाहरण भी है।पुष्पांजलि इकोनिर्मित में वर्तमान में 14 महिलाएं और 6 पुरुष कुल 20 सदस्यों की समर्पित टीम कार्यरत है।

कालिदास संस्कृत अकादमी में ग्रीष्मकालीन शिविर

तीन पीढ़ियां एक साथ सीख रही है कला

उज्जैन। कालिदास संस्कृत अकादमी में गतवर्ष की भांति इस वर्ष भी कला शिविर बहुत उत्साह के साथ और उतनी ही गम्भीरता के साथ संचालित हो रहा है।

इस शिविर में पिता, पुत्री तथा नाती तीनों प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। एक ओर पिता जहां सुगम संगीत का प्रशिक्षण ले रहे हैं वहीं पुत्री एवं नातिन लोकनृत्य तथा कथक का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इस कलाशिविर में शास्त्रीय कलाओं के साथ साथ लोक कलाओं का भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। शिविर प्रतिदिन प्रातः 8 से 10 बजे तक संचालित होता है, जिसमें लिखावट सुधारने के लिये कैलीग्राफी का प्रशिक्षण, शास्त्रीय नृत्य की दृष्टि से कथक का प्रशिक्षण, लोकनृत्य में मालवी लोकनृत्य तथा लोकगायन में संत रविदास के भजन, मीराबाई के भजन तथा सुगम संगीत में राष्ट्र आराधना के गीत सिखाएं जा रहे हैं। नाट्य प्रशिक्षण के अंतर्गत संत रविदास पर केन्द्रित एक नाटक का अभ्यास प्रशिक्षणार्थी कर रहे हैं। यह दृष्य है कालिदास संस्कृत अकादमी में संचालित होने वाले ग्रीष्मकालीन शिविर का यहां लोकनृत्य में 18, कैलीग्राफी में 41, शास्त्रीय नृत्य कथक में 40, सुगम संगीत में 16, लोकसंगीत में 29 तथा नाटक में 20 प्रशिक्षणार्थी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।लोकनृत्य प्रशिक्षक श्रीमती हीरामणि वर्मा प्रसिद्ध लोक कलाकार श्रीमती कृष्णा वर्मा के मार्गदर्शन में सीखा रही हैं।

बड़वानी के डायल-112 हीरोज

सड़क दुर्घटना में घायल 06 व्यक्तियों को त्वरित सहायता पहुँचाकर कराया अस्पताल में भर्ती

भोपाल. बड़वानी जिले के थाना पाटी क्षेत्र में डायल-112 जवानों की तत्परता एवं संवेदनशील कार्रवाई से सड़क दुर्घटना में घायल हुए 06 व्यक्तियों को समय पर अस्पताल पहुँचाकर उपचार उपलब्ध कराया गया।

त्वरित सहायता मिलने से घायलों को राहत मिली और समय रहते उनका उपचार प्रारंभ हो सका। 21 मई को राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112 भोपाल को सूचना प्राप्त हुई कि थाना पाटी क्षेत्र अंतर्गत बोकराटा रोड पर दो मोटर साइकिलों की आमने-सामने से टक्कर हो गई है, जिसमें 06 व्यक्ति घायल हो गए हैं। पुलिस सहायता की आवश्यकता है। सूचना प्राप्त होते ही थाना पाटी क्षेत्र में तैनात डायल-112 वाहन को मौके के लिए रवाना किया गया।

डायल-112 स्टाफ आरक्षक श्री प्रशांत मोरे एवं पायलट श्री विशाल चौहान ने मौके पर पहुंचकर पाया कि मोटर साइकिल दुर्घटना में 06 व्यक्ति घायल हो गए। डायल-112 जवानों ने बिना समय गंवाए त्वरित कार्यवाही करते हुए सभी घायलों को सुरक्षित डायल 112 वाहन एवं चिकित्सा वाहन की सहायता से अस्पताल पहुँचाया।

डायल-112 हीरोज श्रृंखला की यह कार्यवाही दर्शाती है कि डायल-112 सेवा आपातकालीन परिस्थितियों में तत्काल सहायता पहुँचाकर आमजन की सुरक्षा एवं जीवन रक्षा के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। सड़क दुर्घटनाओं सहित हर संकट की स्थिति में डायल-112 जवान संवेदनशीलता, तत्परता एवं सेवा भाव के साथ लोगों की मदद कर रहे हैं।

श्रम साथी बनकर विद्यार्थी दिलाएंगे उद्यमियों को स्टार रेटिंग

श्रम एवं उच्च शिक्षा विभाग की संयुक्त पहल

भोपाल. मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा विभाग एवं श्रम विभाग के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को वल्लभ भवन स्थित कक्ष क्रमांक एफ-326 में "श्रम साथी कार्यशाला" का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में श्रम विभाग के सचिव श्री रघुराज राजेन्द्रन, आयुक्त उच्च शिक्षा श्री प्रबल सिपाहा, उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारी, भोपाल के प्रमुख शासकीय महाविद्यालयों के प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर आयुक्त उच्च शिक्षा श्री प्रबल सिपाहा ने कहा कि श्रम कानूनों की जानकारी प्रत्येक विद्यार्थी तक पहुंचना आवश्यक है। उच्च शिक्षा विभाग और श्रम विभाग मिलकर विद्यार्थियों के माध्यम से उद्यमियों, दुकानदारों तथा आम नागरिकों को श्रम कानूनों के प्रति जागरूक करने का कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता से यह अभियान जनआंदोलन का स्वरूप ले सकता है।

श्रम विभाग के सचिव श्री रघुराज राजेन्द्रन ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने श्रमिक हितों की सुरक्षा और श्रम कानूनों के प्रभावी अनुपालन के लिए श्रम स्टार रेटिंग योजना प्रारंभ की है और इस अभिनव पहल को लागू करने वाला मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है। उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत उद्यमी एवं दुकानदार अपने पंजीयन क्रमांक के माध्यम से ऑनलाइन लिंक पर 10 प्रश्नों के उत्तर देकर स्टार रेटिंग प्राप्त कर सकेंगे। यह रेटिंग श्रम कानूनों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाएगी।

विद्यार्थियों को पहचान पत्र प्रदान करेगा श्रम विभाग

कार्यशाला में उपस्थित विद्यार्थियों ने "श्रम साथी" के रूप में इस अभियान को लेकर विशेष उत्साह दिखाया। विद्यार्थियों ने कहा कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर उद्यमियों और दुकानदारों को श्रम स्टार रेटिंग प्राप्त करने के लिए प्रेरित करेंगे।

श्रम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस अभियान से जुड़े विद्यार्थियों को श्रम विभाग के लोगोयुक्त टी-शर्ट, श्रम साथी पहचान पत्र तथा संबंधित महाविद्यालय के नाम आधिकारिक पत्र उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे वे अधिक प्रभावी ढंग से जनजागरूकता अभियान चला सकें।

कार्यशाला में विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों को पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से श्रम स्टार रेटिंग पोर्टल पर जानकारी दर्ज करने एवं रेटिंग प्राप्त करने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देने के लिए भविष्य में भी इस प्रकार की कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त श्रम विभाग और उच्च शिक्षा विभाग के समन्वय के लिए एक विशेष व्हाट्सएप समूह भी बनाया जाएगा, जिसमें अभियान से संबंधित सभी आवश्यक जानकारियां साझा की जाएंगी।

शिक्षक राष्ट्र निर्माण में समर्पित हों, तभी बनेगा सशक्त भारत : डॉ. शर्मा

शिक्षकों के लिए हुई आनंद सभा कार्यशाला

भोपाल, आनंद विभाग और शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में राज्य आनंद संस्थान, भोपाल में 18 से 23 मई 2026 तक शासकीय शिक्षकों के लिए राज्य स्तरीय आनंद सभा प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।

इस प्रशिक्षण में गुना, ग्वालियर और सीधी जिले के शिक्षक प्रशिक्षणार्थी शामिल हो रहे हैं। कार्यशाला का संचालन राज्य आनंद संस्थान के डायरेक्टर सत्य प्रकाश आर्य के निर्देशन में हो रहा है। प्रशिक्षण के पांचवे दिवस लोक शिक्षण संचालनालय के अपर संचालक डॉ. मनीष शर्मा ने प्रशिक्षणार्थियों को मार्गदर्शित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को अपनी सोच को सीमित नहीं रखना चाहिए। भारतीय संस्कृति 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना पर आधारित है, जिसका अर्थ है पूरा विश्व हमारा परिवार है।डॉ. शर्मा ने कहा, "जब हम देश निर्माण के लिए समर्पित होंगे तो बच्चे भी देशभक्त बनेंगे और उनका चरित्र निर्माण होगा। व्यक्ति अधिक कार्य करने से नहीं थकता, बल्कि कार्य को बोझ समझकर करने से थकता है। खुद को छोटी सोच और छोटे फ्रेम में न बांधें, तभी आपको आनंद की अनुभूति होगी।" उन्होंने महावीर स्वामी का उदाहरण देते हुए कहा कि सच्चा वीर वह है जो स्वयं से लड़ता है और आत्म-विजय प्राप्त करता है।

चौथे दिवस हुई मानव-मूल्यों पर चर्चा

कार्यशाला के चौथे दिवस में मानव, परिवार और समाज आधारित मानवीय मूल्यों पर विस्तार से चर्चा हुई। प्रशिक्षणार्थियों से फीडबैक भी लिया गया। कार्यक्रम में लोक शिक्षण संचालनालय से शंकर खत्री, रिसोर्स पर्सन नवीन शर्मा, कौशल बूटोलिया, अभिषेक शर्मा, राजेश पटेल, शैलेंद्र सिंह, मनोज जैन, रवि शंकर रजक, भारती शाक्य और सुमन जैन सहित अन्य अधिकारी और प्रशिक्षक उपस्थित रहे।

बंदूक छोड़ कलम और रोजगार थामेगा युवा

बुरहानपुर पुलिस की 'परिवर्तन' मुहिम बनी नई मिसाल-सिकलीगर समाज को मुख्यधारा से जोड़ने शिक्षा, संवाद और रोजगार का अभिनव अभियान

भोपाल. मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा अपराध नियंत्रण के साथ-साथ समाज के संवेदनशील वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में लगातार नवाचार आधारित पहलें की जा रही हैं।

इसी क्रम में बुरहानपुर पुलिस द्वारा संचालित "परिवर्तन" मुहिम प्रदेशभर में एक सकारात्मक एवं प्रेरणादायी मॉडल के रूप में उभर रही है। यह अभियान सिकलीगर समाज के युवाओं को अपराध की दुनिया से बाहर निकालकर शिक्षा, जागरूकता एवं रोजगार से जोड़ने का एक प्रभावी प्रयास बन चुका है।अपराध से अवसर की ओर बढ़ते कदमपुलिस अधीक्षक बुरहानपुर श्री आशुतोष बागरी के कुशल निर्देशन में जिले में अवैध हथियारों की रोकथाम एवं जागरूकता के लिए विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अंतरसिंह कनेश के मार्गदर्शन तथा एसडीओपी श्री निर्भयसिंह अलावा के सतत पर्यवेक्षण में पुलिस द्वारा एक ओर जहां अवैध हथियार निर्माण एवं तस्करी के नेटवर्क पर प्रभावी कार्रवाई की जा रही है, वहीं दूसरी ओर सिकलीगर समाज के युवाओं को अपराध से दूर कर सम्मानजनक जीवन एवं रोजगार की ओर प्रेरित किया जा रहा है।चौपाल, संवाद और विश्वास से आ रहा बदलावअभियान के अंतर्गत पुलिस द्वारा ग्राम, स्कूलों, गुरुद्वारों एवं थाना परिसर में लगातार चौपाल, संवाद एवं संयुक्त बैठकें आयोजित की जा रही हैं।

इन बैठकों के माध्यम से युवाओं एवं उनके परिजनों को शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं, स्वरोजगार कार्यक्रमों तथा शिक्षा एवं कौशल विकास के अवसरों की जानकारी देकर उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों द्वारा युवाओं को यह संदेश दिया जा रहा है कि समाज में सम्मान, प्रगति और सुरक्षित भविष्य का रास्ता शिक्षा, रोजगार और आत्मनिर्भरता से होकर गुजरता है, न कि अपराध से।'परिवर्तन' मुहिम से युवाओं को मिला रोजगारबुरहानपुर पुलिस की इस सकारात्मक पहल का परिणाम यह रहा कि अभियान के अंतर्गत 04 युवाओं को जिओ कंपनी में रोजगार उपलब्ध कराया गया है। इसके अतिरिक्त अन्य युवाओं को उनकी शैक्षणिक योग्यता, डिप्लोमा एवं कौशल के अनुसार रोजगार उपलब्ध कराने के लिए भी निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। यह पहल युवाओं के भीतर आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ-साथ समाज में सकारात्मक संदेश देने का कार्य कर रही है कि यदि सही मार्गदर्शन और अवसर मिले तो कोई भी युवा अपराध के रास्ते को छोड़कर सम्मानजनक जीवन की ओर बढ़ सकता है।खकनार थाना प्रभारी निरीक्षक अभिषेक जाधव एवं उनकी टीम द्वारा इस अभियान को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से संचालित किया जा रहा है। पुलिस टीम लगातार समाज के बीच जाकर विश्वास कायम करने, संवाद स्थापित करने और युवाओं को नई दिशा देने का कार्य कर रही है।

रिकॉर्ड तोड़ कार्रवाई से टूटी अवैध हथियार नेटवर्क की कमरसंवेदनशील सामाजिक पहल के साथ-साथ बुरहानपुर पुलिस अपराधियों के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति पर भी सख्ती से कार्य कर रही है। वर्ष 2024 से 2026 के मध्य खकनार पुलिस द्वारा अवैध हथियार निर्माण एवं तस्करी के विरुद्ध रिकॉर्ड 27 प्रकरण दर्ज किए गए, जिनमें 66 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया।कार्रवाई के दौरान 151 अवैध देशी हस्तनिर्मित पिस्टल सहित हथियार निर्माण में प्रयुक्त भारी मात्रा में सामग्री जब्त की गई। यह कार्रवाई पिछले दो दशकों में बुरहानपुर पुलिस द्वारा अवैध हथियारों के विरुद्ध की गई सबसे बड़ी एवं प्रभावी कार्रवाई मानी जा रही है।मध्यप्रदेश पुलिस का संदेश — सुरक्षा के साथ संवेदनशीलता भीमध्यप्रदेश पुलिस का यह प्रयास केवल कानून व्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक विश्वास, सुरक्षा और अवसर पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बुरहानपुर पुलिस की "परिवर्तन" मुहिम यह संदेश देती है कि सकारात्मक संवाद, विश्वास और अवसर प्रदान कर युवाओं को अपराध की राह से हटाकर विकास और राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा में जोड़ा जा सकता है। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा समाजहित एवं अपराध नियंत्रण के ऐसे जनकल्याणकारी अभियान भविष्य में भी निरंतर जारी रहेंगे।

एशिया के मैदान पर चमकेगी मध्यप्रदेश की बेटियों की प्रतिभा

मध्यप्रदेश हॉकी अकादमी की 4 खिलाड़ी भारतीय महिला अंडर-18 टीम में हुई शामिल, अंतर्राष्ट्रीय मंच पर करेंगी भारत का प्रतिनिधित्व

भोपाल. मध्यप्रदेश हॉकी अकादमी, भोपाल की प्रतिभाशाली महिला खिलाड़ियों ने एक बार फिर प्रदेश को गौरवान्वित किया है। जापान में आयोजित होने वाले महिला अंडर-18 एशिया कप 2026 के लिए घोषित भारतीय टीम में अकादमी की 4 खिलाड़ियों का चयन हुआ है।

चयनित खिलाड़ी अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारतीय महिला हॉकी टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए देश एवं मध्यप्रदेश का नाम रोशन करेंगी। प्रतियोगिता का आयोजन जापान के काकामिगहारा में 29 मई से 06 जून 2026 तक किया जाएगा।

अकादमी की चार बेटियों को मिला राष्ट्रीय मंच

भारतीय महिला अंडर-18 हॉकी टीम में मध्यप्रदेश हॉकी अकादमी, भोपाल की गोलकीपर महक परिहार, मिडफील्डर स्नेहा दावड़े एवं नम्मी गीताश्री, तथा फॉरवर्ड खिलाड़ी नौशीन नाज़ को शामिल किया गया है। इन खिलाड़ियों का चयन उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन, अनुशासित प्रशिक्षण और निरंतर मेहनत का परिणाम है।

चार खिलाड़ियों का एक साथ भारतीय टीम में चयन मध्यप्रदेश हॉकी अकादमी की मजबूत प्रशिक्षण व्यवस्था एवं महिला हॉकी विकास की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

महिला अंडर-18 एशिया कप : पूल-ए में भारत की मजबूत चुनौती

प्रतियोगिता में भारतीय टीम पूल-ए में शामिल है, जहां उसका मुकाबला कोरिया, मलेशिया एवं सिंगापुर जैसी मजबूत टीमों से होगा। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 30 मई को मलेशिया के विरुद्ध करेगी। इसके बाद 31 मई को कोरिया तथा 2 जून को सिंगापुर के खिलाफ मुकाबला खेलेगी।

भोपाल में हुआ विशेष प्रशिक्षण, अंतर्राष्ट्रीय मंच के लिए तैयार हुई टीम

भारतीय महिला अंडर-18 टीम ने प्रतियोगिता पूर्व अपना प्रशिक्षण शिविर भोपाल के राष्ट्रीय कैंप में पूर्ण किया, जहां खिलाड़ियों ने तकनीकी कौशल, सामरिक रणनीति, मैच फिटनेस एवं टीम समन्वय पर विशेष प्रशिक्षण प्राप्त किया। इसी तैयारी क्रम में भारतीय टीम ने भोपाल में ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध चार मैचों की श्रृंखला भी खेली, जिसमें टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए आत्मविश्वासपूर्ण जीत दर्ज की। यह श्रृंखला खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण साबित हुई।

जापान में होगा एशिया का बड़ा मुकाबला

महिला अंडर-18 एशिया कप 2026 का आयोजन 29 मई से 6 जून 2026 तक काकामिगाहारा, जापान में किया जाएगा। भारतीय टीम को पूल-ए में कोरिया, मलेशिया और सिंगापुर के साथ रखा गया है। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 30 मई को मलेशिया के विरुद्ध करेगी। इसके बाद 31 मई को कोरिया तथा 2 जून को सिंगापुर के खिलाफ मुकाबला खेलेगी। प्रतियोगिता के सेमीफाइनल 5 जून एवं फाइनल मुकाबला 6 जून को होगा।

बेटियों का भारतीय टीम में चयन प्रदेश के लिए गौरव- श्री सारंग

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने भारतीय महिला अंडर-18 टीम एवं चयनित खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि, "मध्यप्रदेश की बेटियों का भारतीय टीम में चयन प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। खिलाड़ियों ने अपने समर्पण, अनुशासन एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन के बल पर यह उपलब्धि अर्जित की है। हमें विश्वास है कि भारतीय टीम एशिया कप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए देश को गौरवान्वित करेगी। मध्यप्रदेश सरकार खिलाड़ियों को बेहतर अवसर एवं विश्वस्तरीय खेल वातावरण उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।"

महिला हॉकी प्रतिभाओं का मजबूत केंद्र बन रहा मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश हॉकी अकादमी, भोपाल लगातार राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को तैयार कर रही है। आधुनिक खेल अधोसंरचना, वैज्ञानिक प्रशिक्षण प्रणाली, खेल विज्ञान आधारित फिटनेस प्रबंधन एवं अनुभवी प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन से अकादमी देश की अग्रणी हॉकी प्रशिक्षण संस्थाओं में अपनी मजबूत पहचान बना रही है।

एक साथ चार महिला खिलाड़ियों का भारतीय टीम में चयन इस बात का प्रमाण है कि प्रदेश महिला हॉकी प्रतिभाओं के विकास में तेजी से अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग की संयुक्त टीम ने किया केन्द्रों का निरीक्षण

गुना. कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल के निर्देशानुसार एवं मार्गदर्शन में जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजकुमार ऋषिश्वर तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग श्री अब्दुल गफ्फार द्वारा आरोग्य केन्द्र धमनार, आंगनबाड़ी केन्द्र हिनोतिया एवं आरोग्य केन्द्र हिनोतिया का संयुक्त भ्रमण किया गया।

भ्रमण के दौरान आयोजित ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस में गर्भवती महिलाओं, उच्च जोखिम गर्भवती महिलाओं तथा गंभीर कुपोषित बच्चों की स्वास्थ्य जांच, रेफरल एवं फॉलोअप तथा टीकाकरण कार्य की समीक्षा की गई। अधिकारियों द्वारा आयरन फॉलिक एसिड, कैल्शियम कार्बोनेट, आईएफए, विटामिन-डी3, एल्बेंडाजोल सिरप, अमोक्सिसिलिन, ओआरएस सहित आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये। इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं आशा कार्यकर्ताओं को समस्त गर्भवती महिलाओं का अनमोल पोर्टल पर समग्र आईडी के माध्यम से तथा पोषण ट्रैकर पर अनिवार्य पंजीयन सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया। आंगनबाड़ी केन्द्र पर सैम, मैम एवं अति गंभीर कुपोषित बच्चों के वजन एवं लंबाई/ऊंचाई तथा गर्भवती महिलाओं के रक्तचाप एवं वजन का सत्यापन भी किया गया। मुख्यमंत्री बाल आरोग्य संवर्धन कार्यक्रम के अंतर्गत सैम, मैम एवं अति गंभीर कुपोषित बच्चों के पंजीयन एवं नियमित फॉलोअप दर्ज करने, बच्चों की भूख की जांच, स्वास्थ्य परीक्षण एवं आवश्यक दवाइयों के वितरण के निर्देश दिये गये। साथ ही स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान गंभीर कुपोषित बच्चों को एनआरसी तथा उच्च जोखिम गर्भवती महिलाओं को जिला अस्पताल रेफर किये जाने हेतु एएनएम एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को आवश्यक निर्देश प्रदान किये गये।

दुर्घटनाओं से बचना है तो घरेलू उपकरणों में रखें सही अर्थिंग

जानिए बिजली लाइनों से कितनी होनी चाहिए सुरक्षित दूरी

करंट से होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए जागरूक हों नागरिक

भोपाल. मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने करंट से होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए आम जनता से जागरूक होने की अपील की है।

इस संबंध में कंपनी ने सुरक्षा संबंधी मापदंड जारी किए हैं। विद्युत सुरक्षा की दृष्टि से विद्युत लाईनों से धरातल, भवनों से सुरक्षित दूरी आदि के लिए केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा मापदंड निर्धारित किये हैं।

नागरिकों से अपील है कि अपने आवासीय परिसर अथवा स्थापनाओं से विद्युत लाइनो की दूरी निर्धारित मापदंड अनुसार रखें। निम्नदाब और मध्यदाब स्थापनाओं में प्रायः व्यक्ति विद्युतमय चालक के सीधे सम्पर्क में आता है, जबकि उच्च दाब स्थापनाओं में वह विद्युतमय चालक से सीधे सम्पर्क में आने के पूर्व ही फ्लेश ओव्हर डिस्टेंस में आने से स्पार्क हो कर झुलस जाता है। इस प्रकार दुर्घटना का घातक तथा गैर घातक होना दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति के ''डिग्री आफ बर्न्स'' पर निर्भर रहता है। निम्नदाब अथवा मध्यदाब स्थापनाओं में सुरक्षा के लिए साधारण केवल फ्यूज लगाए जाते हैं। साधारण फ्यूज अपनी क्षमता से अधिक करंट बहने पर ही गर्म हो कर पिघल जाता है, इसमें कुछ समय लगता है और यही समय ''दुर्घटनाग्रस्त'' होने के लिए घातक सिद्ध होता है, परन्तु अर्थिंग सही हो तो फ्यूज अतिशीघ्र उड़ जाता है। इसी कारण से विद्युत स्थापनाओं में अर्थिंग व्यवस्था अति महत्वपूर्ण हो जाती है। घरेलू स्थापनाओं में विद्युत दुर्घटनाएं मुख्यतः वायरिंग एवं फिटिंग में खराबी आने से तथा उपकरणों में खराबी आने से लीकेज या शार्ट-सर्किट के कारण होती है। बिजली उपभोक्ताओं से अपील है कि वे आई.एस.आई. मार्क के उपकरण ही उपयोग में लाएं।

विद्युत सुरक्षा की ओर विशेष ध्यान दें

कंपनी ने आम लोगों को विद्युत सुरक्षा की ओर विशेष ध्यान देने अपील की है। भवन निर्माण, कॉलोनी के निर्माण और रोड के विस्तार के दौरान अक्सर यह देखने में आया है कि बिजली के खम्बों को सड़क के बीच में खड़ा कर दिया जाता है या कॉलोनी के विद्युतीकरण के दौरान कालोनाइजर अपनी सुविधा से बिजली के खम्बों को लगा देता है तथा सड़क विस्तार के दौरान सड़क को ऊंचा कर दिया जाता है। इस दौरान विद्युत सुरक्षा के मापदण्डों का ध्यान नहीं रखा जाता है। कई बार यह पाया जाता है कि रोड ऊंची कर ली जाती है परन्तु बिजली के खम्बों से रोड के बीच का विस्तार और दूरी को ध्यान में नहीं रखा जाता तथा सुरक्षा के नियमों को अनदेखा कर दिया जाता है। फलस्वरूप दुर्घटना की आशंका बनी रहती है और कभी-कभी दुर्घटनाएं हो भी जाती है। इस संबंध में मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने अपने मैदानी अधिकारियों से कहा है कि इस प्रकार के नियम विरूद्ध कार्यों की रोकथाम की जाए और मैदानी क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति में विद्युत सुरक्षा एवं विद्युत प्रदाय सुचारू रखने के लिए विद्युत अधिनियम 2003 में जो प्रावधान दिए गए हैं, उनके अनुसार कार्यवाही की जाए।

भवन निर्माण और विस्तार के दौरान यदि कोई भवन निर्माता/संस्था निर्धारित प्रावधान के अनुसार काम नहीं करता है तो संबंधित संस्थाओं अथवा व्यक्तियों के खिलाफ नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही की जाए। कंपनी ने अपने मैदानी अधिकारियों को निर्देशित किया है कि विद्युत लाइनों की पेट्रोलिंग कराते समय यदि कहीं रोड, भवन, रें। नई लाइनों के निर्माण के दौरान रोड, भवन या स्ट्रक्चर से उक्त नियमानुसार निर्धारित सुरक्षित अंतराल रखते हुए ही कार्य कराए जाएं।

विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत बनने वाली सड़क मार्गों के ऊपर से गुजरने वाली लाइनों का अंतराल यदि प्रस्तावित सड़क के कारण कम हो रहा है तो विद्युत लाइन के खम्बों की ऊंचाई बढ़ाने का प्रस्ताव कम्पनी के प्रचलित नियमानुसार संबंधित एजेन्सी को नोटिस के साथ भेजें और साथ ही सुनिश्चित करें कि निर्धारित सुरक्षित अंतराल मेन्टेन करने के बाद ही उस लोकेशन पर सड़क

ग्वालियर जिले में आतिशबाजी फैक्ट्रियों और दुकानों के लिए सख्त गाइडलाइन जारी

नियमों की अनदेखी पर होगी कार्रवाई

ग्वालियर. कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्रीमती चौहान ने एसडीएम सहित अन्य अधिकारियों को निरीक्षण कर गाइडलाइन का पालन कराने के दिए निर्देश

एसडीएम लश्कर ने गिरवाई क्षेत्र की पटाखा फैक्ट्रियों और गोदामों का किया औचक निरीक्षण

ग्वालियर जिले में आतिशबाजी (पटाखा) के निर्माण, भंडारण और बिक्री को पूरी तरह सुरक्षित बनाने के लिए स्पष्ट गाइडलाइन जारी की गई है। राज्य शासन के गृह विभाग के दिशा-निर्देशों के तहत विस्फोटक अधिनियम और नियमों का कड़ाई से पालन कराने के लिए कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्रीमती रुचिका चौहान ने जिले के सभी एसडीएम, कार्यपालिक मजिस्ट्रेट, सीएसपी, एसडीओपी और थाना प्रभारियों को लिखित में कड़े निर्देश जारी किए हैं। कलेक्टर ने साफ किया है कि जिले में किसी भी स्थान पर अवैध भंडारण या सुरक्षा नियमों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सभी संबंधित अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों के लाइसेंसधारियों की सूची रखने और हर छह महीने में उनका नियमित भौतिक सत्यापन करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने सभी जांच अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों की आतिशबाजी फैक्ट्रियों और दुकानों का तत्काल सघन निरीक्षण करें और प्रत्येक संस्थान की विस्तृत रिपोर्ट जिला कार्यालय को सौंपें।

कलेक्टर के निर्देश पर एक्शन शुरू : गिरवाई क्षेत्र में औचक निरीक्षण

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान द्वारा जारी किए गए निर्देशों के पालन में शुक्रवार को प्रशासनिक टीम ने मैदानी कार्रवाई शुरू कर दी है। इसी क्रम में एसडीएम लश्कर श्री नरेन्द्र बाबू यादव ने प्रशासनिक टीम के साथ शहर के गिरवाई क्षेत्र में संचालित पटाखा फैक्ट्रियों और गोदामों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मैगजीन (भंडारण स्थल) और विनिर्माण इकाइयों में सुरक्षा मानकों को परखा। एसडीएम श्री यादव ने संचालकों को सख्त हिदायत दी कि वे विस्फोटक अधिनियमों का शत-प्रतिशत पालन करें, अन्यथा उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई के साथ-साथ लाइसेंस निरस्त करने की प्रक्रिया की जाएगी।

पटाखा फैक्ट्रियों के लिए ये उपाय अनिवार्य

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्रीमती रुचिका चौहान द्वारा जारी दिशा-निर्देश के अनुसार पटाखा विनिर्माण फैक्ट्रियों में मुख्य रूप से निम्नलिखित उपाय करना अनिवार्य है -

सुरक्षा दूरी - मिक्सिंग, फिलिंग और विनिर्माण शेड के कमरों के बीच कम से कम 18 मीटर और फुलझड़ी के कमरों के बीच 9 मीटर की दूरी अनिवार्य है।

कमरों की बनावट - हर कमरे का साइज 9 वर्गमीटर से अधिक नहीं होना चाहिए और प्रत्येक कमरे में दो दरवाजे होने चाहिए जो एक-दूसरे के आमने-सामने न हों।

ब्लास्ट वॉल - कमरों के बीच ढाई मीटर ऊंची और 60 सेंटीमीटर मोटी सुरक्षा दीवार (ब्लास्ट वॉल) होना आवश्यक है।

सीमित क्षमता - किसी भी कमरे में 15 किलोग्राम से अधिक विस्फोटक सामग्री नहीं रखी जा सकती। इसके अलावा निर्धारित प्रपत्रों में स्टॉक का सही रिकॉर्ड रखना होगा।

आतिशबाजी दुकानों के लिए कड़े मापदंड

विस्फोटक नियम 2008 के तहत आतिशबाजी दुकानों के लिए भी कड़े नियम तय किए गए हैं -

आबादी क्षेत्र में प्रतिबंध - आबादी वाले क्षेत्रों (रेसिडेंशियल एरिया) में पटाखों के भंडारण और बिक्री पर पूरी तरह रोक रहेगी।

दुकान की दूरी और बनावट - पटाखा दुकानें ईंट, पत्थर और कंक्रीट से बनी और सुरक्षित होनी चाहिए।

दो दुकानों के बीच कम से कम 3-3 मीटर की दूरी होना जरूरी है और कोई भी दुकान आमने-सामने नहीं होनी चाहिए।

बिजली और आग से सुरक्षा - दुकानों में खुले बिजली के तार प्रतिबंधित रहेंगे, सभी वायर पाइप के अंदर सील्ड होने चाहिए।

दुकान के 15 मीटर के दायरे में कोई ज्वलनशील पदार्थ नहीं होना चाहिए और सुरक्षित दायरे में गैस लैंप या खुली बत्तियों का उपयोग प्रतिबंधित रहेगा।

समूह की सीमा - एक समूह या बाजार में 50 से अधिक पटाखा दुकानें नहीं लगाई जा सकेंगी।

पर्यटन विकास निगम संवारेगा ग्रांड होटल, महाराजवाड़ा हेरिटेज होटल में अतिरिक्त कक्ष निर्माण किया जाएगा

संभागायुक्त श्री सिंह ने सिंहस्थ 2028 के अंतर्गत विभिन्न विभागों के माध्यम से किए जा रहे निर्माण कार्यों की दिन-प्रतिदिन प्रगति की समीक्षा की

उज्जैन। संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह ने शुक्रवार को सिंहस्थ 2028 के लिए विभिन्न विभागों के माध्यम से प्रचलित निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक ली।

बैठक में पर्यटन विकास निगम के माध्यम से ग्रांड होटल का रिनोवेशन कार्य शीघ्र शुरु करने के निर्देश संभागायुक्त श्री सिंह ने दिए। समीक्षा बैठक में कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह भी उपस्थित रहें। सिंहस्थ 2028 के अंतर्गत विभिन्न विभागों के माध्यम से कार्य प्रगति की जानकारी दी गई। संभागायुक्त श्री सिंह ने निर्देश दिए कि सिंहस्थ के तहत निर्माणाधीन मार्ग चौड़ीकरण कार्य, ब्रिज निर्माण कार्य, सड़क निर्माण कार्य की सतत मॉनिटरिंग करते हुए तेज गति से निर्माण कार्य किए जाएं। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रेयांस कूमट, विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी श्री गोपाल डाड भी मौजूद रहें। बैठक के दौरान पर्यटन विभाग के माध्यम से जानकारी दी गई कि महाराजवाड़ा हेरिटेज होटल में अतिरिक्त कक्षों के निर्माण का कार्य प्रारंभ किया गया है वहीं शहर के टावर चौक समीप स्थित ग्रांड होटल के रिनोवेशन का कार्य एक सप्ताह में प्रारंभ किया जाएगा। इसी तरह होटल अवंतिका, शिप्रा होटल उज्जयिनी में अतिरिक्त कक्षों का निर्माण कार्य भी प्रारंभ किया गया है।

इसी तरह पर्यटन विभाग के माध्यम से श्री महाकाल महालोक में लगाई जाने वाली पत्थर की प्रतिमाओं का कार्य भी प्रगतिरत है। वर्षा ऋतु के दौरान भी पत्थर की प्रतिमाओं का निर्माण निरंतर जारी रहे इसके लिए शेड लगाने का कार्य किया जा रहा है।संभागायुक्त श्री सिंह ने निर्देश दिए कि ग्रांड होटल रिनोवेशन के साथ पत्थर की प्रतिमाओं को तैयार करने के काम में तेजी लाई जाए। संभागायुक्त श्री सिंह ने कहा कि जो प्रतिमाएं तैयार हो चुकी है उनका अवलोकन भी कराया जाए। बैठक में कान्ह डायवर्सन परियोजना के तहत प्रतिदिन 62 मीटर खुदाई का कार्य किए जाने की जानकारी दी गई। वर्तमान में 6.26 कि.मी. कट एंड कवर का कार्य पूर्ण हो चुका है।

संभागायुक्त श्री सिंह ने निर्देश दिए कि कान्ह डायवर्सन परियोजना में 30 जून के पहले अपस्ट्रीम का कार्य पूर्ण किया जाए साथ ही टनल में लगने वाले कट एंड कवर की क्वालिटी और फिनिशिंग पर विशेष ध्यान दिया जाए। संभागायुक्त ने कहा कि जो कट एंड कवर खराब हो उसे हटा दें। बैठक में जल संसाधन विभाग के माध्यम से शिप्रा नदी पर 29 कि.मी क्षेत्र में किए जा रहे घाट निर्माण कार्य की जानकारी देते हुए बताया कि घाट निर्माण कार्य 60 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है। सभी फेज पर कार्य प्रगतिरत है। 06 कि.मी. क्षेत्र में घाट का कार्य पूर्ण हो चुका है। निर्माणाधीन सभी घाट का निर्माण कार्य जून 2027 तक पूरा किया जाएगा।

बैठक के दौरान सिंहस्थ 2028 के अंतर्गत निर्माणाधीन मार्ग चौड़ीकरण कार्य, नवीन सड़क निर्माण कार्य, ब्रिज निर्माण कार्य प्रगति की जानकारी लेकर सभी कार्य समयसीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश संभागायुक्त श्री सिंह ने दिए। बैठक के दौरान जल संसाधन, नामामि शिप्रे, मप्रपक्षेविविकंलि, पुलिस हाउसिंग, ग्रामिण यांत्रिकी सेवा, भवन विकास निगम, लोक निर्माण विभाग, सिंहस्थ डिवीजन, पीआईयू, सेतु, राष्ट्रीय राजमार्ग, सड़क विकास निगम सहित अन्य विभागों के प्रचलित कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिंटर्स एण्ड पैकेजिंग एलयूएन-22 सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं जी-1, कॉस्मिक रिजेन्सी 117 गोकुल नगर कनाड़िया इंदौर म.प्र. से प्रकाशित।
प्रधान संपादक-गोपाल गावंडे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)।